नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय की शोधार्थी दीप्ति एक्का ने
इंडोनेशिया में उराँव जनजाति की संस्कृति पर पढ़ा शोध आलेख

वर्धा, 20 अगस्त 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग में पीएच.डी. की शोधार्थी दीप्ति एक्का ने इंडोनेशिया में भाषा, साहित्य और समाज विषय पर केंद्रित पांचवे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'द इंडिजिनस लैंग्वेज ऑफ इंडियन कल्चर' सत्र में उरांव जनजनति की कुरुख भाषा' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। दीप्ति एक्का भाषा विद्यापीठ में सहायक प्रोफेसर डॉ. हुलगप्पा अ. हुनगुंद के निर्देशन में अपना शोध-कार्य कर

रही हैं। उसे संगोष्ठी में पत्र-प्रस्तुति के लिए इंडोनेशिया की ओर से आमंत्रित किया गया था। दीप्ति ने अपने शोध पत्र में भाषा के उद्गम से लेकर उराँव जनजाति की संस्कृति पर प्रकाश डाला और कहा कि इस भाषा की पहचान इसकी संस्कृति से है और इसके संस्कृति की पहचान इसकी भाषा है। इस भाषा में प्रयुक्त होने वाले सांस्कृतिक शब्दों के पीछे लोक-कथा छिपी हुई है। उनकी प्रस्तुति की उपस्थितों ने सराहना की और अमेरिका के प्रो. डोनाथन ब्राउन ने इस विषय पर और शोध के लिए सहयोग देने की बात कही। यह सम्मेलन 19 से 21 जुलाई को योग्याकार्ता, इंडोनेशिया में सम्पन्न हुआ। इंटरनेशनल सेंटर फॉर रीसर्च एण्ड डेवलपमेंट संस्था की ओर से भाषा, साहित्य और समाज 2018 इस शीर्षक से आयोजित सम्मेलन में जेके विवि के कुलपति डॉ. रामरत्नम, इथिओका

कॉलेज, न्यूयार्क के प्रो. दोनाथन ब्राउन, सिडनी विश्वविद्यालय के डॉ. लेस्ली लजुंगदल, फिलीपाइन्स की डे ला सेल्ले

विश्वविद्यालय के प्रो.मिलेन मनालंसन, जापान की होक्काइदो विश्वविद्यालय के डॉ. ब्राउन चार्ल्स एलेन तथा ओपी जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय, भारत के प्रो. जगदिश बत्रा आदि विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।